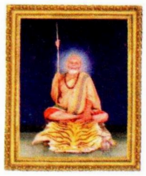


पब्लिक ट्रस्ट रजि. नं. : ए - १३९१



श्री स्वामी जगद्गुरु शंकराचार्य पीठ, करवीर

२२९९, डॉ वॉर्ड, शुक्रवार पेठ, कोल्हापूर ४१६ ००२, फोन नं. : २५४१४५४/२५४०३६२.
E-mail : peethkarvir@gmail.com | Website : www.shankaracharyakarveer.org

जा.नं. 551
दिनांक 1.7.2016

“पीठस्थ देवताओंके अनेक आशिर्वाद एवम् श्री स्वामीजींका नारायण स्मरण ”

महोदय ,

पीराणा सतपथ धर्म विषय पर श्रीमद् जगद्गुरू शंकराचार्य पीठ करवीर , कोल्हापूर द्वारा किए गए गहन अभ्यास का इतिहास बहुत पुराणा है | इस विषय पर करवीर पीठ ने भूतकाल मे अच्छी तरह से अभ्यास एवं विद्वानों के साथ विचार विमर्श कर के लगभग 85 वर्ष पहले वैशाख शुद्ध 8 शके 1853 को एक धर्मादेश / पत्र प्रकाशित कर के यह स्पष्ट रूप से प्रमाणित कर दिया था की , पीराणा सतपंथ धर्म यह मुस्लिम धर्म का भाग है |

कुछ समय पहले यह जानने मिला है की , पीराणा सतपंथ धर्म को लेकर कुछ असमंजस की स्थिती हमारे हिदुओमे बनती हुई देखने - सुनने मिली है | कुछ घटनाओंके कारण हिदू जन सामान्य मे एक ऐसी झुठी छवी उभरी है क्यो की पीराणा सतपंथ धर्म एक इस्लाम धर्म का भाग होने के बावजुद उसे मनघडन कथा कहानिया द्वारा हिदू धर्म का भाग बताने की कोशिश हो रही है |

पीराणा सतपंथ धर्म जो इस्लाम का भाग है उस धर्म के एक प्रचारक को किसी अज्ञात वजह से हिदू धर्म की , “ महामंडलेश्र्वर ” उपाधी दि गयी है | एवं पीराणा सतपंथ धर्म के रथ को कुंभमेलेमे भी स्थान दिया गया है | ऐसा भी झूठा प्रचार किया जा रहा है की पीराणा सतपंथ धर्म एक ऐसा धर्म है जो हिदूओ और मुसलमानोंके बीच एकता का प्रतिक है |

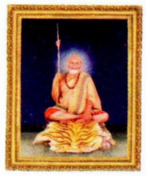
ऐसे कारणोंको लेकर सतपंथ धर्म के विषयपर अज्ञानी और शंका न करणे वाले भोले भाले हिदू जन इस दुष्प्रचार का



पब्लिक ट्रस्ट रजि. नं. : ए - १३९१

ॐ

श्री स्वामी जगद्गुरु शंकराचार्य पीठ, करवीर



२२९९, डॉ वॉर्ड, शुक्रवार पेठ, कोल्हापूर ४१६ ००२, फोन नं. : २५४१४५४/२५४०३६२.
E-mail : peethkarvir@gmail.com | Website : www.shankaracharyakarveer.org

जा.नं. 551
दिनांक 1.7.2016

"पीठस्थ देवताओंके अनेक आशिर्वाद एवम् श्री स्वामीजींका नारायण स्मरण"

महोदय ,

पीराणा सतपथ धर्म विषय पर श्रीमद् जगद्गुरू शंकराचार्य पीठ करवीर , कोल्हापूर द्वारा किए गए गहन अभ्यास का इतिहास बहुत पुराणा है | इस विषय पर करवीर पीठ ने भूतकाल मे अच्छी तरह से अभ्यास एवं विद्वानों के साथ विचार विमर्श कर के लगभग 85 वर्ष पहले वैशाख शुद्ध 8 शके 1853 को एक धर्मादेश / पत्र प्रकाशित कर के यह स्पष्ट रूप से प्रमाणित कर दिया था की , पीराणा सतपंथ धर्म यह मुस्लिम धर्म का भाग है |

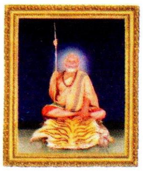
कुछ समय पहले यह जानने मिला है की , पीराणा सतपंथ धर्म को लेकर कुछ असमंजस की स्थिती हमारे हिदुओमे बनती हुई देखने - सुनने मिली है | कुछ घटनाओंके कारण हिदू जन सामान्य मे एक ऐसी झुठी छवी उभरी है क्यो की पीराणा सतपंथ धर्म एक इस्लाम धर्म का भाग होने के बावजुद उसे मनघडन कथा कहानिया द्वारा हिदू धर्म का भाग बताने की कोशिश हो रही है |

पीराणा सतपंथ धर्म जो इस्लाम का भाग है उस धर्म के एक प्रचारक को किसी अज्ञात वजह से हिदू धर्म की , " महामंडलेश्र्वर " उपाधी दि गयी है | एवं पीराणा सतपंथ धर्म के रथ को कुंभमेलेमे भी स्थान दिया गया है | ऐसा भी झूठा प्रचार किया जा रहा है की पीराणा सतपंथ धर्म एक ऐसा धर्म है जो हिदूओ और मुसलमानोंके बीच एकता का प्रतिक है |

ऐसे कारणोंको लेकर सतपंथ धर्म के विषयपर अज्ञानी और शंका न करणे वाले भोले भाले हिदू जन इस दुष्प्रचार का



पब्लिक ट्रस्ट रजि. नं. : ए - १३९१



श्री स्वामी जगद्गुरु शंकराचार्य पीठ, करवीर

२२९१, डॉ वॉर्ड, शुक्रवार पेठ, कोल्हापूर ४१६ ००२, फोन नं. : २५४१४५४/२५४०३६२.
E-mail : peethkarvir@gmail.com | Website : www.shankaracharyakarveer.org

शिकार हो रहे है और झुठे तौर पर हिंदू धर्म वाली छबी अपनानेसे भ्रमित होकर मुस्लिम धर्म का पालन कर रहे है और उन्हे सच्चाई का पता भी नही होता |

ऐसी आपात कालिन परिस्थिती मे इस विषयपर गहाराईसे पुन्हः अभ्यास करने की आवश्यकता का पता चला |

1. पीराणा सतपंथ धर्म का शेकडो वर्ष पुराणा इतिहास

2. पीराणा सतपंथ धर्म के स्थापक श्री इमामुद्दिन अब्दुलरहीम सैय्यद उर्फ इमामशहा उर्फ इमामशहा महाराज और उनेके परीवार मे भी आज सभी लोग मुसलमान समाज मे है

3. पीराणा सतपंथ धर्म की मुख्य मातृसंस्था " इमामशहा बाबा रोजा संस्थान कमिटी ट्रस्ट का " बॉम्बे हायकोर्ट द्वारा रचित संविधान (Constitution)

4. ब्रिटीश सरकार के काल के सरकारी दस्तावेज

5. स्वतंत्र भारत समय काल के सरकारी दस्तावेज

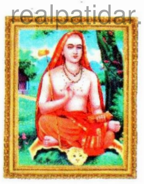
6. लगभग सो वर्षोसे भी अधिक समय काल मे किए गए देशी एवं विदेशी संशोधनकारो / शोधकर्ताओ (Researchers) के दस्तावेज

7. पीराणा सतपंथ की धार्मिक पुस्तके

8. सरकारी गॅझिटिअर्स (Gazetteers)

9. विश्वकोष (Encyclopedia)

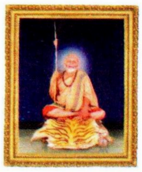
10. पीराणा सतपंथ धर्म को छोडकर पुन्हः सनातन धर्म को अपनानेवाले लोगोंके समाज का धार्मिक इतिहास



पब्लिक ट्रस्ट रजि. नं. : ए - १३९१

ॐ

श्री स्वामी जगद्‌गुरु शंकराचार्य पीठ, करवीर



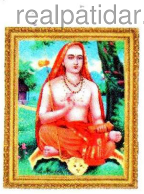
२२९९, डॉ वॉर्ड, शुक्रवार पेठ, कोल्हापूर ४१६ ००२, फोन नं. : २५४१४५४/२५४०३६२.
E-mail : peethkarvir@gmail.com | Website : www.shankaracharyakarveer.org

11. इस विषयपर पीराणा सतपंथ धर्म को इस्लामधर्म का भाग होने और हिदू धर्म का भाग न होने के विषय मे जारी किए गए आद्य जगद्‌गुरू शंकराचार्य द्वारा स्थापीत सनातन धर्म के चारो पीठोंके प्रमाणपत्र

जैसे अन्य महत्व के कई सारे दस्तावेजोंको गहराईसे अध्ययन करनेपर पता चलता है की भले पीराणा सतपंथ धर्म बाहय रूपसे हिदू धर्म के जैसा हे , उसके धार्मिक पुस्तकोमे हिदू देवी देवताओंका उल्लेख है पर वास्तव मे वह हिदू धर्म का भाग नही है |

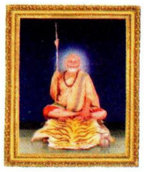
मुल मे पीराणा सतपंथ धर्म की रचना उन्हे अपाने और आकर्षित कर उन्हे सौम्य रूपसे और कुछ समय काल के पश्चात कुछ पिडियोंके बाद उन्हे पुरी तरह मुस्लिम बनाना है | इस्लाम मे प्रचलित घातक " ताकीया " पद्धती के अनुसार हिदू दिखावा अपनाना हिदू देवी देवताओं का उल्लेख करना सतपंथ के आराध्य देव हजरत अली का नाम हिदू दिखावा होने वाला निष्कलंकी नारायण रखना | हिदू धर्म धार्मिक नायक भगवान जैसे की राम कृष्ण वगैरे को भ्रष्ट कर उनका सतपंथ के धार्मिक कथाओंमे उल्लेख करना और उस भ्रष्ट स्वरूप के हिदू नायक के द्वारा इस्लामी संदेश देना हिदू धर्म के धार्मिक ग्रंथोंको भ्रष्ट कर सतपंथ के धार्मिक ग्रंथोंकी रचना करना जिसके द्वारा हिदू दिखावा रखकर मुल इस्लामी संदेश देना जैसे की दशावतार , गीता , अथर्ववेद , सतपंथ पुजाविधी यह सबकुछ मात्र हिदूओंको अपनी और आकर्षित करनेके लिए है | जबतक वह संपूर्ण रूप से मुसलमान न बन जाए तब तक अनुयायोंको दिखावे के बलबुते पर हिदू समाज मे रहने की सुविधा हो यह कारण है |

इस व्यवस्था को तो इस्लाम को धर्मातरण करानेवाले " ताकीया " पध्दती के अनुरूप बनाया गया है और इस्लाम मे इसकी मान्यता भी है | ऐसी मजबुत व्यवस्था के कारण



पब्लिक ट्रस्ट रजि. नं. : ए - १३९१

श्री स्वामी जगद्गुरु शंकराचार्य पीठ, करवीर



२२९९, डॉ वॉर्ड, शुक्रवार पेठ, कोल्हापूर ४१६ ००२, फोन नं. : २५४१४५४/२५४०३६२.
E-mail : peethkarvir@gmail.com | Website : www.shankaracharyakarveer.org

हिदू ,लोहाना , सुमरा , भाटीया और पाटीदार जैसी जाती के कई लोग आज पुरी तरह से खोजा और मुमना मुसलमान बन चुके है यह भी एक ऐसी हकीकत है जिसको अनदेखा नही किया जा सकता |

ऐसी परिस्थीती को ध्यान मे रखकर जो हिदू लोग पीराणा सतपंथ धर्म को हिदू धर्म का ही एकभाग होने का भूल से मानकर उसके अनुयायी हो गए है अथवा उससे जुडे है , उन लोगोंको यह श्रीमद् जगद्गुरू शंकराचार्य करवीर पीठ सावधान करती है | लोगोंसे अनुरोध है के पीराणा सतपंथ धर्म भलेही रूप या वेशभूषा मे हो कोई भी अन्य भ्रामक नामकरणसे प्रचलित हो तो भी यह इस पीठ का स्पष्ट मानना है की पीराणा सतपंथ धर्म हिदू धर्म का भाग नही है | एवं वह हिदूओंको धर्मांतरण कर उन्हे मुसलमान बनाने का एक सुनियोजित षडयंत्र है |

हिदू धर्म के साधू संत और धार्मिक कार्यसे जुडे लोगोंको यह पीठ अनुरोध करती है की हिदू लोगोंको विधर्मी बनानेके प्रपंच का प्रचार करे और हिदू लोगोंकी पुरी तरहसे रक्षा करे |

यह पत्र श्री [illegible] जी की मॉंग पर दिया जा रहा है | और प.पू. श्री विद्यानृसिंहभारती स्वामीजी जगद्गुरु शंकराचार्य जी आज्ञासे दिया जा.

सचिव व वटमुखत्यार
श्री शिवस्वरूप चंद्रकांत भेंडे
श्री स्वामी जगद्गुरू शंकराचार्य पीठ
करवीर